



Sooraj



Nisha

Model: Horoscope-Matching

Order No: 121469401

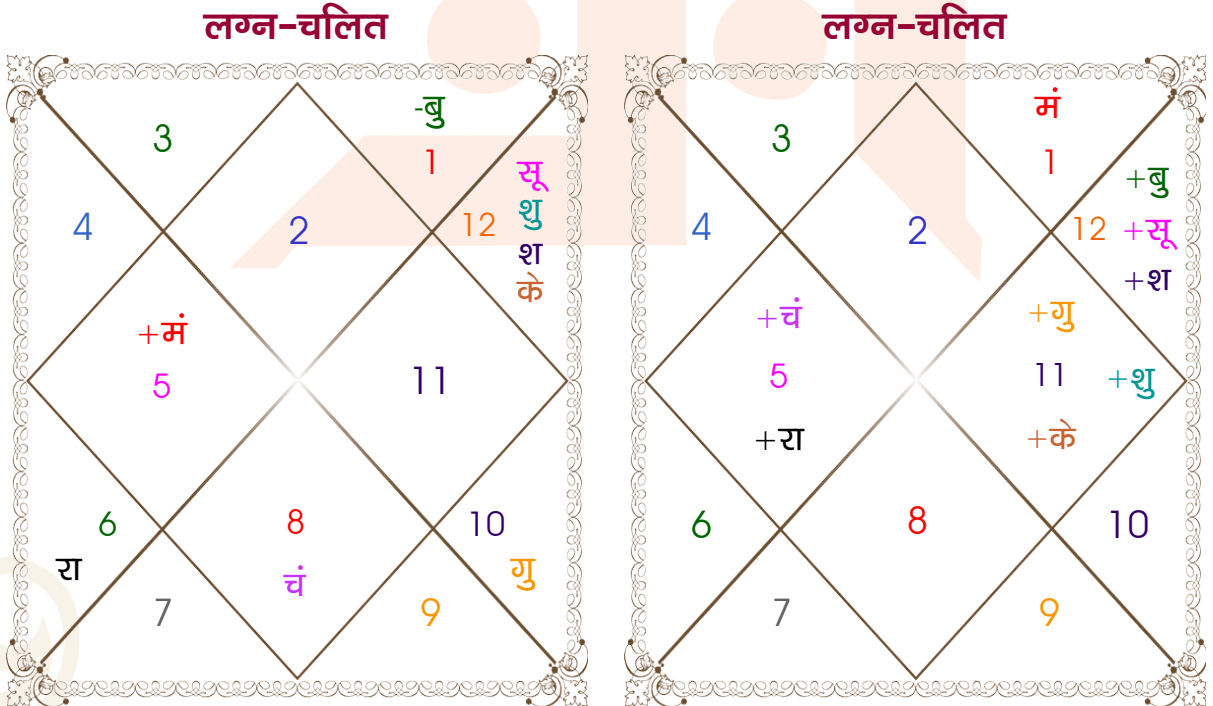
पुल्लिंग :	लिंग	: स्त्रीलिंग
29/03/1997 :	जन्म तिथि	: 09/04/1998
शनिवार :	दिन	: गुरुवार
घंटे 10:15:00 :	जन्म समय	: 08:00:00 घंटे
घटी 10:05:58 :	जन्म समय(घटी)	: 04:53:58 घटी
India :	देश	: India
Bareilly :	स्थान	: Pipariya
23:00:00 उत्तर :	अक्षांश	: 24:45:47 उत्तर
78:18:00 पूर्व :	रेखांश	: 79:20:03 पूर्व
82:30:00 पूर्व :	मध्य रेखांश	: 82:30:00 पूर्व
घंटे -00:16:48 :	स्थानिक संस्कार	: -00:12:40 घंटे
घंटे 00:00:00 :	ग्रीष्म संस्कार	: 00:00:00 घंटे
06:12:36 :	सूर्योदय	: 05:57:07
18:30:59 :	सूर्यास्त	: 18:32:00
23:49:06 :	चित्रपक्षीय अयनांश	: 23:49:51
वृष :	लग्न	: वृष
शुक्र :	लग्न लग्नाधिपति	: शुक्र
वृश्चिक :	राशि	: सिंह
मंगल :	राशि-स्वामी	: सूर्य
अनुराधा :	नक्षत्र	: पू०फाल्गुनी
शनि :	नक्षत्र स्वामी	: शुक्र
3 :	चरण	: 4
सिद्धि :	योग	: वृद्धि
तैतिल :	करण	: कौलव
नू-नूर :	जन्म नामाक्षर	: टू-टुनटुन
मेष :	सूर्य राशि(पाश्चात्य)	: मेष
विप्र :	वर्ण	: क्षत्रिय
कीटक :	वश्य	: वनचर
मृग :	योनि	: मूषक
देव :	गण	: मनुष्य
मध्य :	नाड़ी	: मध्य
सर्प :	वर्ग	: श्वान

ग्रह अंश एवं विंशोत्तरी

विंशोत्तरी	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी
शनि 6वर्ष 4मा 24दि	23:44:51	वृष	लग्न	वृष	01:41:27	शुक्र 3वर्ष 1मा 28दि
केतु	14:43:09	मीन	सूर्य	मीन	25:12:57	राहु
22/08/2020	12:10:30	वृश्चि	चंद्र	सिंह	24:33:35	06/06/2024
23/08/2027	28:26:52	सिंह व	मंगल	मेष	03:13:08	06/06/2042
केतु 18/01/2021	01:00:22	मेष	बुध व	मीन	20:56:21	राहु 17/02/2027
शुक्र 20/03/2022	20:41:08	मक	गुरु	कुंभ	21:09:52	गुरु 13/07/2029
सूर्य 26/07/2022	13:36:19	मीन	शुक्र	कुंभ	09:10:06	शनि 19/05/2032
चन्द्र 24/02/2023	16:12:48	मीन	शनि	मीन	28:57:37	बुध 06/12/2034
मंगल 23/07/2023	04:52:10	कन्या व	राहु व	सिंह	16:18:45	केतु 25/12/2035
राहु 10/08/2024	04:52:10	मीन व	केतु व	कुंभ	16:18:45	शुक्र 24/12/2038
गुरु 17/07/2025	14:02:03	मक	हर्ष	मक	18:18:33	सूर्य 18/11/2039
शनि 26/08/2026	05:49:42	मक	नेप	मक	08:09:21	चन्द्र 19/05/2041
बुध 23/08/2027	11:39:52	वृश्चि व	प्लूटो व	वृश्चि	14:00:13	मंगल 06/06/2042

व - वकी स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

23:49:06 चित्रपक्षीय अयनांश 23:49:51



Astro praveen

जन्म कुंडली विश्लेषण

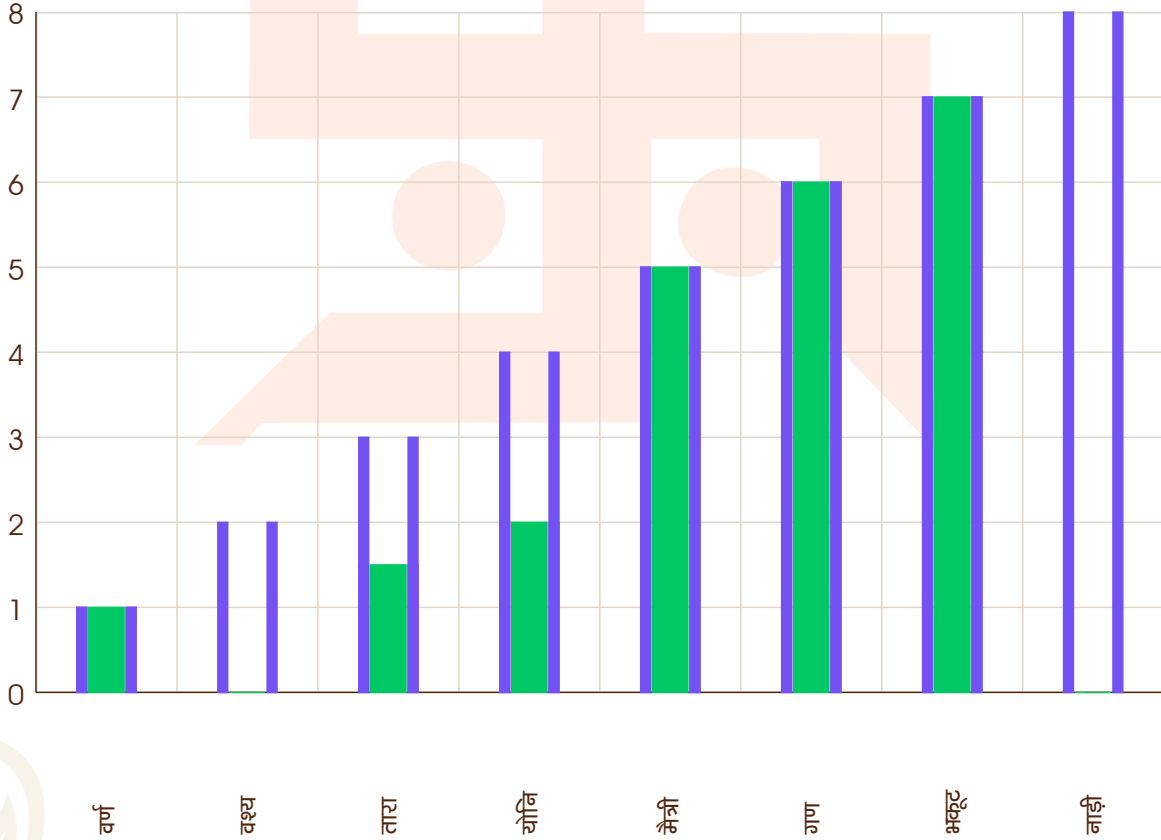
Vedic, Kp, Jaimini, Lalkitab, Numerology, Vastu

9669317073

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	विप्र	क्षत्रिय	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	कीटक	वनचर	2	0.00	--	स्वभाव
तारा	वध	क्षेम	3	1.50	--	भाग्य
योनि	मृग	मूषक	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	मंगल	सूर्य	5	5.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	देव	मनुष्य	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	वृश्चिक	सिंह	7	7.00	--	जीवन शैली
नाडी	मध्य	मध्य	8	0.00	हाँ	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	22.50		

कुल : 22.5 / 36



Astro praveen

जन्म कुंडली विश्लेषण

Vedic, Kp, Jaimini, Lalkitab, Numerology, Vastu

9669317073

अष्टकूट मिलान

नाड़ी दोष कष्टदायक है क्योंकि दोनों के नक्षत्र एवं राशियां भिन्न-2 है।

Sooraj का वर्ग सर्प है तथा Nisha का वर्ग श्वान है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Sooraj और Nisha का मिलान औसत है।

मंगलीक दोष मिलान

Sooraj मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में चतुर्थ भाव में स्थित है।

Nisha मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वादश भाव में स्थित है।

व्यये च कुजदोषः कन्यामिथुनयोरविना ।

द्वादशे भौमदोषस्तु वृषतौलिकयोरविना ।।

अर्थात् व्यय भाव में यदि मंगल बुध तथा शुक्र की राशियों में स्थित हो तो भौम दोष नहीं होता है।

क्योंकि मंगल Nisha कि कुण्डली में द्वादश भाव में मेष राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

शनिभौमोऽथवा कश्चित् पापो वा तादृशो भवेत् ।

तेष्वेव भवनेष्वेव भौमदोषविनाशकृत् ।।

यदि एक की कुंडली में जहां मंगल हो उन्हीं स्थानों पर दूसरे की कुंडली में प्रबल पाप ग्रह (राहु या शनि) हों तो मंगलीक दोष कट जाता है।

क्योंकि राहु Nisha कि कुण्डली में चतुर्थ भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः ।

त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत् ।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि शनि Nisha कि कुण्डली में एकादश भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः ।

त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत् ।।

Astro praveen

जन्म कुंडली विश्लेषण

Vedic, Kp, Jaimini, Lalkitab, Numerology, Vastu

9669317073

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि शनि Sooraj कि कुण्डली में एकादश भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

Sooraj तथा Nisha में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।



अष्टकूट फलादेश

वर्ण

Sooraj का वर्ण ब्राह्मण तथा Nisha का वर्ण क्षत्रिय है। अतः यह मिलान अति उत्तम है। जिसके प्रभाव से Nisha में अपने पति के प्रति अगाध प्रेम, श्रद्धा एवं सम्मान की भावना रहेगी। कभी-कभी क्षत्रिय खून की गर्मी भी समय-समय पर उबाल मारने के कारण समय-समय पर Nisha आक्रामक व्यवहार कर सकती हैं हालांकि उनका व्यवहार कभी भी अनियंत्रित नहीं होगा। Nisha सदैव अपने उत्तरदायित्व का निर्वहन भली-भांति करती रहेगी तथा वे सदैव प्रशंसा की पात्र रहेंगी।

वश्य

Sooraj का वश्य कीट है एवं Nisha का वश्य वनचर है। जिसके कारण यह मिलान खराब मिलान है। कीट Sooraj एवं वनचर Nisha के बीच किसी भी प्रकार की अनुकूलता एवं तालमेल नहीं हो सकता है। अतः दोनों के बीच शत्रुता की भावना रह सकती है तथा इनका अधिकांश समय आपस में लड़ने-झगड़ने, शिकवा-शिकायत, आरोप-प्रत्यारोप करने तथा परस्पर वार करने में गुजर जायेगा। इनका जीवन कष्टपूर्ण हो सकता है तथा परिवार की सुख-शांति नष्ट हो सकती है। इनके बच्चे भी नाकामयाब तथा आक्रामक हो सकते हैं।

तारा

Sooraj की तारा वध तथा Nisha की तारा क्षेम है। Sooraj की तारा वध होने के कारण यह मिलान अच्छा मिलान नहीं है। Sooraj बुरी आदतों, अधोपतन, चरित्रहीनता एवं भोग-विलास की आदतों का शिकार हो सकता है। Sooraj को शराब एवं ड्रग की लत लग सकती है किंतु Nisha लगातार उसकी भलाई के उद्देश्य से उसे सुधारने का प्रयास करती रहेगी। इस प्रकार उसके अच्छे प्रयासों का परिणाम सार्थक हो सकता है।

योनि

Sooraj की योनि मृग है तथा Nisha की योनि मूषक है। अर्थात् दोनों की योनि समान नहीं हैं और इनके बीच उदासीनता का अर्थात् सम संबंध है। अतः यह मिलान औसत मिलान कहलायेगा। जिसके कारण दोनों के बीच आपसी समझबूझ का अभाव रहेगा तथा जीवन में सहयोग की भावना एवं प्रेम का अभाव भी बना रहेगा। दोनों के बीच अक्सर लड़ाई झगड़े होंगे तथा परिवार में तनाव तथा अशांति का भाव भी रह सकता है। साथ ही दोनों के बीच अविश्वास की भावना भी बनी रहेगी। दोनों एक दूसरे को संदेह की भावना से देखेंगे जिससे दोनों के बीच कटुता का भाव भी पैदा होगा। दोनों के बीच आपसी समझ की कमी भी रहेगी अतः दोनों के बीच वैचारिक मतभेद भी हो सकते हैं। संभव है कि दोनों के बीच अवैध संबंध को लेकर संदेह की भावना बन जाये जिसके कारण पारिवारिक तनाव भी हो सकता है। बात-बात में दोनों के बीच में कभी कभी तर्क-वितर्क की जगह कुतर्क भी हो सकता है। वर या कन्या में से कोई भी विश्वासघात भी कर सकता है। जिसके कारण दोनों के बीच लड़ाई झगड़ा भी हो सकता है।

Astro praveen

जन्म कुंडली विश्लेषण

Vedic, Kp, Jaimini, Lalkitab, Numerology, Vastu

9669317073

इनको अपने जीवन में अत्याधिक संघर्ष के उपरांत ही सफलता प्राप्त होगी अतः कठिन परिश्रम की आवश्यकता पड़ेगी। इसके बावजूद इनको अपने जीवन में सफलता कम ही मिलेगी। अर्थात् मेहनत अधिक और परिणाम कम ही मिलने की संभावना है। जिसके कारण दोनों को समय-समय पर मानसिक पीड़ा होती रहेगी। पारिवारिक आय औसत ही रहेगी। अर्थात् धनागम के स्रोत कम ही रहेंगे। पति-पत्नी के बीच विचारों में भिन्नता होगी एवं जीवन में उतार-चढ़ाव बने रहेंगे। दोनों लापरवाह प्रवृत्ति के होंगे किंतु परिवार के प्रति कर्तव्यनिष्ठ रहेंगे। दोनों के बीच रोमांस एवं सेक्स में रुचि की कमी भी रह सकती है। कई बार वाद-विवाद में तर्क-वितर्क होते रहेंगे। जिसके कारण समय-समय पर धन हानि भी हो सकती है। आपस में प्रेम एवं सौहार्द की भी कमी रहेगी। इस प्रकार इनका वैवाहिक जीवन बहुत अच्छा न रहकर निम्न सामान्य स्तर का ही होगा।

मैत्री

अष्टकूट मिलान में ग्रह मैत्री कूट में Sooraj एवं Nisha दोनों के राशि स्वामी परस्पर मित्र हैं। अतः यह मिलान ग्रह मैत्री के विचार से अति उत्तम मिलान है। ज्यातिष की दृष्टि से यदि Sooraj एवं Nisha के राशिस्वामी परस्पर मित्र होने के कारण इसे अति उत्तम मिलान माना जाता है। जिसके कारण Sooraj एवं Nisha जीवन की हर खुशी एवं सुख प्राप्त करने में सफल होंगे तथा इनमें परस्पर विश्वास, प्रेम, समझ एवं सहयोग की भावना बनी रहेगी। साथ ही हर प्रकार की सुख-सुविधाओं एवं वैभव से परिपूर्ण होंगे।

गण

Sooraj का गण देव तथा Nisha का गण मनुष्य है। अर्थात् दोनों का गण कूट मिलान हो रहा है। अतः यह मिलान अति उत्तम मिलान है। जिसके कारण दोनों दयालु, सहृदय, मृदु, सौम्य एवं एक-दूसरे का ख्याल रखने वाले होंगे। किंतु Nisha अधिक व्यावहारिक, मिलनसार, परिश्रमी, बुद्धिमान तथा महत्वाकांक्षी होंगी जो कि भौतिकवादी संसार में अपना अस्तित्व बनाए रखने तथा घर-परिवार चलाने के लिए आवश्यक है। दोनों अपने पारिवारिक, सामाजिक एवं व्यावसायिक जिम्मेवारियों का पूर्णरूपेण निर्वहन करते हुए हर सुख-सुविधाओं से युक्त सुखी जीवन व्यतीत करेंगे।

भकूट

Sooraj से Nisha की राशि दशम भाव में स्थित है तथा Nisha से Sooraj की राशि चतुर्थ भाव में स्थित है जिसके कारण यह मिलान अति उत्तम मिलान है। जिसके कारण Sooraj एक पारिवारिक व्यक्ति होंगे तथा अपनी पत्नी एवं बच्चों समेत परिवार के हर सदस्य की देखभाल करेंगे। उन्हें अपने संबंधियों से ही खुशी प्राप्त होगी तथा उनकी पत्नी सदैव कर्तव्यों के निर्वहन में उनकी मदद करती रहेंगी। Nisha को घर, वाहन, मां का प्यार समेत जीवन में हर सुख एवं खुशी प्राप्त होगी। Nisha हमेशा अपने पति की परछाई बनकर सदैव उनकी सहायता करती रहेंगी।

Astro praveen

जन्म कुंडली विश्लेषण

Vedic, Kp, Jaimini, Lalkitab, Numerology, Vastu

9669317073

नाड़ी

Sooraj की नाड़ी मध्य है तथा Nisha की नाड़ी भी मध्य है। अर्थात दोनों की नाड़ी समान हैं, जो कि अष्टकूट मिलान की दृष्टि से दोषपूर्ण है। अर्थात यह मिलान अच्छा मिलान नहीं है। यदि पति-पत्नी की समान नाड़ी मध्य ही होगी तो पति अथवा पत्नी में से किसी की मृत्यु की संभावना होती है। ऐसी स्थिति में Sooraj एवं Nisha का विवाह अति घातक हो सकता है। आपकी संतान कमजोर, डरपोक, मानसिक रूप से असंतुलित, मानसिक बीमारी से ग्रस्त हो सकती हैं। अतः ऐसा विवाह पूर्णतः त्याज्य है।



Astro praveen

जन्म कुंडली विश्लेषण

Vedic, Kp, Jaimini, Lalkitab, Numerology, Vastu

9669317073

मेलापक फलित

स्वभाव

Sooraj की जन्म राशि जलतत्व युक्त वृश्चिक तथा Nisha की अग्नि तत्व युक्त सिंह राशि है। जल एवं अग्नि तत्व में नैसर्गिक विषमता होने के कारण Sooraj और Nisha के मध्य स्वभावगत विषमताएं रहेंगी परन्तु परस्पर सामंजस्य स्थापित करके अनुकूल जीवन व्यतीत करने में समर्थ होंगे। अतः मिलान सामान्य रहेगा।

Sooraj की राशि का स्वामी मंगल तथा Nisha की राशि का स्वामी सूर्य परस्पर मित्र राशियों में स्थित है। अतः सुखी दाम्पत्य जीवन के लिए यह ग्रह स्थिति उत्तम रहेगी। इसके प्रभाव से Sooraj और Nisha के मध्य परस्पर प्रेम सहानुभूति तथा समर्पण का भाव होगा तथा सुख दुख में एक दूसरे को पूर्ण सहयोग प्रदान करेंगे। साथ ही सच्चे मित्र की भांति परस्पर गुणों की प्रशंसा करेंगे तथा एक दूसरे की कमियों की उपेक्षा करेंगे। इसके प्रभाव से दाम्पत्य जीवन सुखमय रहेगा तथा संबंधों में भी मधुरता बनी रहेगी।

Sooraj और Nisha की राशियां परस्पर दशम एवं चतुर्थ भाव में पड़ती हैं। शास्त्रानुसार यह शुभ भकूट माना जाता है। इसके प्रभाव से दोनों के अंदर प्रबल सामंजस्य की प्रवृत्ति रहेगी तथा दाम्पत्य संबंधों में मधुरता बनाए रखने में समर्थ होंगे। वे एक दूसरे के अस्तित्व का पूर्ण सम्मान करेंगे एवं परस्पर कार्य कलापों में हस्तक्षेप कम ही करेंगे फलतः एक दूसरे के प्रति विश्वास तथा आदर का भाव रहेगा जिससे वैवाहिक जीवन की सार्थकता तथा मधुरता बनी रहेगी।

Sooraj का वश्य कीट तथा Nisha का वश्य वनचर है। नैसर्गिक रूप से कीट एवं वनचर में विषमता होने के कारण इनकी अभिरूचियों में असमानता रहेगी तथा शारीरिक मानसिक एवं भावनात्मक स्तर भी विषमताएं होंगी। तथा एक दूसरे को दाम्पत्य संबंधों में प्रसन्न एवं सन्तुष्ट करने में असमर्थ रहेंगे।

Sooraj का वर्ण ब्राह्मण तथा Nisha का वर्ण क्षत्रिय है। अतः Sooraj की प्रवृत्ति शैक्षणिक तथा धार्मिक कार्य कलापों के प्रति रहेगी तथा Nisha पराक्रमी तथा साहसिक कार्यों को सम्पन्न करेंगी फलतः इनकी कार्य क्षेत्र में सुदृढ़ता बनी रहेगी।

धन

Sooraj और Nisha की आर्थिक स्थिति पर तारा तथा भकूट का कोई भी शुभ या अशुभ प्रभाव नहीं होगा तथा सामान्य रूप से इच्छित धन एवं लाभ अर्जित करने में वे समर्थ होंगे तथा उनके लाभ मार्ग भी नित्य प्रशस्त रहेंगे। लेकिन Nisha पर मंगल का प्रभाव अच्छा नहीं रहेगा फलतः यदा कदा इनके द्वारा आर्थिक स्थिति में अल्प समय के लिए दम्पति को विषमता का आभास हो सकता है।

Sooraj की प्रवृत्ति भी अनावश्यक व्यय करने की होगी तथा जुए या अन्य व्यसनों

में वे अधिक व्यय करेंगे अतः यदि वे ऐसी प्रवृत्तियों की उपेक्षा करें तथा बुद्धिमतापूर्वक उपार्जित धन को व्यय करें तो उनकी आर्थिक स्थिति अच्छी रहेगी तथा भौतिक सुख संसाधनों का उपभोग करते हुए वे अपना जीवन आनन्दपूर्वक व्यतीत करने में समर्थ हो सकेंगे।

स्वास्थ्य

Sooraj और Nisha एक ही नाड़ी में उत्पन्न हुए हैं। अतः नाड़ी दोष का इन पर दुष्प्रभाव रहेगा जिससे इनको स्वास्थ्य संबंधी गंभीर समस्याओं का सामना करना पड़ेगा। साथ ही मंगल भी दोनों के स्वास्थ्य को प्रभावित करेगा जिससे वे रक्त एवं पित संबंधी कष्ट प्राप्त करेंगे। वे उदर संबंधी कष्ट से भी यदा कदा असुविधा प्राप्त करेंगे। मंगल के प्रभाव से भी इनका स्वास्थ्य प्रभावित रहेगा। इससे दोनों गुप्त या धातु संबंधी रोगों से पीड़ित रहेंगे एवं रक्तपित का भी प्रकोप रहेगा। साथ ही काम संबंधों में भी शिथिलता तथा उदासीनता के भाव से Sooraj और Nisha असन्तुष्ट रहेंगे। अतः ऐसी स्थिति में विवाह नहीं करना चाहिए तथापि उपरोक्त फलों में न्यूनता के लिए हनुमानजी का पूजन तथा मंगलवार के उपवास करने से किंचित शुभता रहेगी।

संतान

संतति की दृष्टि से Sooraj और Nisha का मिलान उत्तम रहेगा। इसके प्रभाव से Sooraj और Nisha को उचित समय पर संतति प्राप्ति होगी तथा इसमें किसी भी प्रकार से विलम्ब या व्यवधान नहीं होगा। साथ ही बच्चों के मध्य अंतर भी अनुकूल रहेगा जिससे उचित मात्रा में उनका पालन पोषण करने का अवसर प्राप्त होगा। इसके अतिरिक्त Sooraj और Nisha के पुत्र एवं कन्याओं की संख्या बराबर रहेगी।

Nisha का प्रसव सामान्य रूप से होगा तथा इसमें उन्हें किसी भी प्रकार से परेशानी या कष्ट का सामना नहीं करना पड़ेगा। साथ ही किसी प्रसूति संबंधी चिकित्सा की भी आवश्यकता नहीं रहेगी। अतः Nisha के मन में इसके प्रति जो अनावश्यक भय या चिन्ताएं रहती हैं उसको दूर कर देना चाहिए तथा नियमित रूप से गर्भावस्था में डाक्टरी परीक्षण करवाने चाहिए। इस प्रकार Nisha सुदंर स्वस्थ एवं आकर्षक बच्चों को जन्म देने में सफल होंगी तथा स्वयं भी शांति तथा स्वस्थता की अनुभूति करेंगी।

बच्चों के द्वारा Sooraj और Nisha को पूर्ण सन्तुष्टि मिलेगी तथा अपनी योग्यता बुद्धिमता एवं व्यवहार कुशलता से वे अपने क्षेत्र में प्रसिद्धि प्राप्त करेंगे यद्यपि माता पिता के वे आज्ञाकारी रहेंगे तथा उनकी इच्छा के विरुद्ध कोई भी कार्य नहीं करेंगे तथापि माता के प्रति उनके मन में विशेष लगाव तथा सम्मान का भाव रहेगा तथा उनकी आज्ञा पालन करने में सर्वदा तत्पर रहेंगे। इस प्रकार Sooraj और Nisha का पारिवारिक जीवन सुख तथा शांति से पूर्ण रहेगा तथा प्रसन्नता पूर्वक वे अपना समय व्यतीत करेंगे।

ससुराल-सुश्री

Nisha के सास से प्रायः अच्छे संबंध रहेंगे। यद्यपि उनकी सास अन्य जनों के मामलों में कम ही हस्तक्षेप करने वाली महिला होंगी तथापि उनके कुछ सिद्धांत Nisha के लिए

Astro praveen

जन्म कुंडली विश्लेषण

Vedic, Kp, Jaimini, Lalkitab, Numerology, Vastu

9669317073

अनुकरणीय हो सकते हैं। साथ ही इन दोनों के मध्य कोई विशेष समस्या या मतभेद नहीं रहेंगे।

Nisha अपने कुशल व्यवहार मधुर वाणी एवं सेवा भाव से ससुर को प्रसन्न एवं सन्तुष्ट करने में सफलता प्राप्त करेंगी। साथ ही ननद एवं देवरों के साथ भी उनके संबंध मित्रता पूर्ण रहेंगे तथा उनको पूर्ण सहयोग एवं स्नेह प्रदान करेंगी। अतः उनका दिल जीतने में सफल रहेंगी।

इस प्रकार Nisha के प्रति उनके सास ससुर का दृष्टि कोण आत्मयीता से पूर्ण रहेगा तथा घर में उसे पूर्ण सुख सुविधा तथा स्नेह प्रदान करेंगे।

ससुराल-श्री

Sooraj के अपनी सास से मधुर संबंध रहेंगे तथा आपसी सामंजस्य से इसमें निरन्तर वृद्धि होती रहेगी। सास को Sooraj अपनी माता के समान आदर प्रदान करेंगे तथा उनकी सेवा तथा सुख सुविधा का भी ध्यान रखेंगे। साथ ही समय समय पर सपत्नीक उनके यहां मिलने जाया करेंगे जिससे संबंधों की प्रगाढ़ता में वृद्धि होगी।

ससुर के साथ भी Sooraj के संबंधों में मधुरता रहेगी। साथ ही उन का भी इनके प्रति विशेष वात्सल्य रहेगा। व्यक्तिगत मामलों तथा आपसी संबंधों में मित्रता का भाव भी दृष्टिगोचर होगा जिससे एक दूसरे की बातों का आदान प्रदान होता रहेगा। साथ ही साली एवं सालों से भी संबंधों में मित्रता सहानुभूति तथा सहयोग का भाव रहेगा तथा एक दूसरे से औपचारिक संबंध रहेंगे।

इस प्रकार ससुराल के लोगों का दृष्टिकोण Sooraj के प्रति सम्मानीय रहेगा तथा वे उनके व्यवहार से प्रसन्न तथा सन्तुष्ट रहेंगे।